

रॉबर्ट वानॉय , प्रमुख भविष्यवक्ता, व्याख्यान 25

ईजेकील - ऐतिहासिक सेटिंग और संरचना, टायर

ईजेकील

ए. परिचयात्मक टिप्पणियाँ

आइए ईजेकील की ओर चलें, और ध्यान दें कि रूपरेखा का ए "परिचयात्मक टिप्पणियाँ" है।

मुझे लगता है, सामान्य तौर पर, हम कह सकते हैं कि ईजेकील पुराने नियम की उपेक्षित पुस्तकों में से एक है। मुझे लगता है कि यशायाह और उैनियल और शायद चार प्रमुख पैगंबरों में से यिर्मयाह को भी यहेजकेल की तुलना में अधिक ध्यान मिलता है। शायद इसका कारण यह है कि, मुझे लगता है कि किताब में क्या चल रहा है, यह समझने के लिए ईजेकील को ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के ज्ञान की आवश्यकता है, शायद दूसरों की तुलना में अधिक। इसमें बहुत अधिक प्रतीकात्मकता है, और इसका मतलब है कि इसकी व्याख्या करना कठिन है। इसके अलावा, जब आप पहले अध्याय को देखते हैं, तो आप तुरंत प्रतीकात्मक सामग्री से प्रभावित हो जाते हैं। आपके पास पहियों के भीतर पहियों के साथ भगवान के सिंहासन रथ की वह तस्वीर है। ईजेकील का दूरदर्शी अनुभव कुछ ऐसा है जो हममें से अधिकांश के अनुभव से काफी दूर है। मुझे लगता है कि बहुत से लोग ऐसा ही कुछ पढ़ते हैं और पुस्तक पर काम करने का प्रयास करते समय आगे नहीं बढ़ पाते हैं।

मैं कहूंगा, अगर लोग किताब देखते हैं, तो वह ज्यादातर इसके आखिरी हिस्सों में होती है। अध्याय 34 से 39 शायद कुछ हद तक, लेकिन विशेष रूप से अध्याय 40 से 48 जहां आपको भविष्य के मंदिर, ईजेकील के मंदिर का वर्णन है। लेकिन वास्तव में इसकी व्याख्या कैसे की जाती है यह काफी विवाद का विषय है। अधिकांश लोग पुस्तक के पहले दो-तिहाई हिस्से पर बहुत कम ध्यान देते हैं। पुस्तक का पहला दो-तिहाई भाग ईजेकील की अपनी स्थिति से अधिक संबंधित है। जब आप पुस्तक के उत्तरार्ध में पहुँचते हैं तो आप भविष्य की ओर देख रहे होते हैं। पुस्तक के साथ काम करने वाले अधिकांश लोग भविष्य की भविष्यवाणियों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

1. ईजेकील 1:2 - तिथि और कालक्रम पुस्तक में एक कालानुक्रमिक संरचना है जिसके बारे में मैं बाद में और अधिक बताऊंगा, लेकिन चलिए दूसरी कविता से शुरू करते हैं जहां आपने पढ़ा, " महीने के पांचवें दिन - यह पांचवां वर्ष था राजा यहोयाकीन के बन्धुवाई के विषय में, यहोवा का सन्देश बाबुलियों के देश में कबार नदी के तट पर बूजी के पुत्र यहजेकेल याजक के पास पहुंचा। वहाँ यहोवा का हाथ उस पर था ।" यहजेकेल बन्धुवाई में है, और बाबुल में बन्धुआई में है, और यह दर्शन उसे राजा यहोयाकीन की बन्धुवाई के पांचवें वर्ष के महीने के पांचवें दिन को होता है। उसकी तिथि 593 ईसा पूर्व होगी। हम इस्राएल और यहूदा के राजाओं के शासनकाल की तिथि जानते हैं। राजा यहोयाचिन की कैद का पाँचवाँ वर्ष 593 है। ध्यान दें कि पहली कविता में एक गूढ़ कथन भी है जिसका कुछ कालानुक्रमिक महत्व है, लेकिन यह जानना कठिन है कि यह वास्तव में किस बारे में बात कर रहा है। यह कहता है, " तीसवें वर्ष के चौथे महीने के पांचवें दिन, जब मैं बंधुओं के बीच में कबार नदी के तट पर था, तब आकाश खुल गया, और मैं ने परमेश्वर के दर्शन देखे ।" तीसवें वर्ष में, चौथे महीने में, महीने के पांचवें दिन में, लेकिन यह नहीं बताता कि तीसवां वर्ष क्या है। यह अनुमान लगाना उचित है कि यह उसके जीवन का तीसवां वर्ष है और वह 30 वर्ष का है। संभवतः इसे इसी तरह से समझा जाना चाहिए। यदि ऐसा मामला है, तो हम यहजेकेल की आयु 593 ईसा पूर्व जानते हैं क्योंकि दूसरी कविता आपको वह 593 तारीख बताती है।

2. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि यहोयाचिन (597 ईसा पूर्व) से मंदिर का पतन (586 ईसा पूर्व)

अब, यदि आप ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के संबंध में राजाओं और इतिहास से जो कुछ भी सीखा है, उसके संबंध में 593 ईसा पूर्व की तारीख के साथ उस दूसरे श्लोक को लेते हैं, तो यह पृष्ठभूमि देता है किताब के लिए. आइए इसके बारे में एक मिनट के लिए संक्षेप में सोचें। 597 ईसा पूर्व में नबूकदनेस्सर ने बड़ी संख्या में यहूदा के लोगों को बंदी बना लिया, जिसमें युवा राजा यहोयाकीन भी शामिल था, जिसने केवल 3 महीने शासन किया था। तब

नबूकदनेस्सर ने सिदकिय्याह को यहूदा की गद्दी पर बैठाया। सिदकिय्याह यहोयाकीन का चाचा था। आप इसे 2 राजा 24:10 और निम्नलिखित में पाते हैं: " उस समय बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर के हाकिमों ने यरूशलेम पर चढ़कर उसे घेर लिया, और जब उसके हाकिम उसे घेर रहे थे, तब नबूकदनेस्सर आप ही नगर पर चढ़ आया। यहूदा के राजा यहोयाकीन, उसकी माता, उसके सेवक, उसके सरदार और उसके हाकिम सब ने उसके सामने समर्पण कर दिया। बाबुल के राजा के राज्य के आठवें वर्ष में उस ने यहोयाकीन को बन्दी बना लिया। जैसा कि यहोवा ने कहा था, नबूकदनेस्सर ने यहोवा के मन्दिर और राजभवन में से सारा धन निकाल लिया, और इस्राएल के राजा सुलैमान ने यहोवा के मन्दिर के लिये जो सोने की वस्तुएं बनवाई थीं, उन सब को भी ले लिया। उसने सारे यरूशलेम को बन्धुआई में ले लिया: सब हाकिमों और योद्धाओं को, और सब कारीगरों और कारीगरों को, जो कुल मिला कर दस हजार थे। केवल देश के सबसे गरीब लोग ही बचे थे। नबूकदनेस्सर यहोयाकीन को बन्दी बनाकर बेबीलोन ले गया। वह राजा की माता, अपनी पत्नियों, अपने हाकिमों और देश के मुख्य पुरुषों को भी यरूशलेम से बेबीलोन ले गया। बेबीलोन के राजा ने सात हजार योद्धाओं की पूरी सेना को, जो बलवान और युद्ध के योग्य थे, और एक हजार कारीगरों और दस्तकारों को निर्वासित करके बेबीलोन में भेज दिया। उसने यहोयाकीन के चाचा मत्तन्याह को उसके स्थान पर राजा बनाया, और उसका नाम बदलकर सिदकिय्याह रख दिया।" तो यह 597 ईसा पूर्व है, और आप 593 तक पहुँच गए हैं, यहजेकेल की दूसरी आयत के अनुसार यहोयाकीन के शासनकाल का पाँचवाँ वर्ष।

अब यहूदा में इस सामान्य समय सीमा में कई निर्वासन हुए। उनमें से पहला थोड़ा पहले 605/604 ईसा पूर्व का है, यह इस पर निर्भर करता है कि आप किस कालक्रम का अनुसरण करते हैं। 2 राजा 24:1 में आपके पास सबसे पहला है: " यहोयाकीम के शासनकाल के दौरान, बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर ने देश पर आक्रमण किया, और यहोयाकीम तीन साल के लिए उसका जागीरदार बन गया। परन्तु फिर उसने अपना मन बदल लिया और नबूकदनेस्सर के विरुद्ध विद्रोह कर दिया। यहोवा ने उसके विरुद्ध बेबीलोनियाई, अरामी, मोआबी और अम्मोनी हमलावरों को भेजा ," इत्यादि।

605 ईसा पूर्व के उस निर्वासन में डैनियल बेबीलोन चला गया। आप पाते हैं कि डैनियल और ईजेकील मोटे तौर पर समकालीन हैं। डैनियल यहजेकेल से पहले बेबीलोन की कैद में गया था। यदि आप यहजेकेल 14:14 को देखें तो यहजेकेल दानिय्येल को संदर्भित करता है : " यद्यपि यदि ये तीन मनुष्य--नूह, दानिय्येल और अय्यूब--उसमें होते, तो भी वे अपनी धार्मिकता से केवल स्वयं को ही बचा सकते थे। " यह यहजेकेल 14:14 है और नीचे 14:20 में दानिय्येल का एक और संदर्भ है, " मेरे जीवन की शपथ, 'प्रभु यहोवा की यही वाणी है, 'यदि नूह, दानिय्येल और अय्यूब भी उसमें होते, तो भी वे किसी भी पुत्र को नहीं बचा सकते।" न ही बेटी. " आपके पास डैनियल में ईजेकील का कोई संदर्भ नहीं है लेकिन आपके पास डैनियल के लिए ईजेकील संदर्भ है। हालाँकि कुछ लोगों ने तर्क दिया है कि ईजेकील में संदर्भित डैनियल एक प्राचीन व्यक्ति है जिसे युगारिटिक स्रोतों द्वारा डैनियल कहा जाता है ।

लेकिन 605 ईसा पूर्व में आपका पहला निर्वासन हुआ। फिर 597 में दूसरा जहां यहजेकेल को यहोयाकीन और लगभग 10,000 यहूदियों के साथ बेबीलोन ले जाया गया । फिर, निस्संदेह, यरूशलेम का अंतिम निर्वासन और विनाश 586 ईसा पूर्व है, जो 2 राजा 25:8-21 है। तो आपके पास तीन निर्वासन की एक श्रृंखला थी क्योंकि यहूदियों ने बेबीलोन के प्रभुत्व के खिलाफ संघर्ष किया था, लेकिन 586 ईसा पूर्व तक यरूशलेम को नष्ट कर दिया गया था, और आपको बेबीलोन में अंतिम निर्वासन और पहले मंदिर का विनाश मिला। यदि आप 2 राजा 23:34 को देखें, " फिरौन नेको ने योशिय्याह के पुत्र एल्याकीम को उसके पिता योशिय्याह के स्थान पर राजा बनाया और एल्याकिम का नाम बदलकर यहोयाकीम रख दिया। "वह 23:34 है। और फिर पद 35, " यहोयाकीम ने फिरौन नेको को उसकी माँग के अनुसार चाँदी और सोना दिया। ऐसा करने के लिए, उसने भूमि पर कर लगाया और भूमि के लोगों से उनके मूल्यांकन के अनुसार चाँदी और सोना वसूल किया। जब यहोयाकीम राजा हुआ तब वह पच्चीस वर्ष का था, और ग्यारह वर्ष तक यरूशलेम में राज्य करता रहा । 2 राजा 24:1 कहता है, " यहोयाकीम के शासनकाल के दौरान, बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर ने देश पर आक्रमण किया, और यहोयाकीम तीन वर्ष के लिए उसका

जागीरदार बन गया। " इसलिए उसकी निष्ठा मिस्र को श्रद्धांजलि देने से हटकर बेबीलोन को श्रद्धांजलि देने में बदल जाती है। और फिर पद 5 में यहोयाकीम की मृत्यु हो गई।

यहोयाकीम को बंदी बना लिया गया लेकिन किंग्स की पुस्तक के अंत में उसे रिहा कर दिया गया। वास्तव में, आप देखते हैं कि मैं इसके साथ यहीं जाना चाहता था, भले ही यहोयाकीम के स्थान पर सिदकिय्याह को सिंहासन पर बैठाया गया हो। अक्सर आप सिदकिय्याह को यहूदा का अंतिम राजा मानते हैं। यहूदी लोग वास्तव में उस दृष्टिकोण से सहमत नहीं थे। उनके लिए यहोयाकीम वैध राजा था। यह उनकी अपेक्षा थी कि सिदकिय्याह का शासन एक अस्थायी चीज़ होगी। उन्हें उम्मीद थी कि यहोयाकीम यहूदा लौट आएगा और अपना शासन फिर से शुरू करेगा, और यहूदा फिर से एक स्वतंत्र राज्य होगा। यहूदी लोग यही चाहते थे। सिदकिय्याह एक प्रकार से इस विदेशी शक्ति का नाजायज नियुक्त व्यक्ति था। लोगों के मन में यहोयाकीम वास्तव में वैध राजा था।

इस समय के अधिकांश यहूदी लोग अत्यंत देशभक्त थे। वे अपने वतन लौटने की इच्छा रखते थे। वे बेबीलोन से यहूदा की स्वतंत्रता चाहते थे। मुझे यकीन है कि आप उन भावनाओं को समझ सकते हैं। लेकिन फिर आप देखते हैं कि यहजेकेल का कार्य काफी कठिन है जिसके लिए प्रभु ने यहजेकेल को भविष्यवक्ता बनने के लिए बुलाया है। उन्हें उन्हें यह बताना होगा कि निर्वासन केवल एक अस्थायी दुर्भाग्य नहीं है। यह कोई ऐसी चीज़ नहीं है जो बहुत जल्द खत्म होने वाली है, बल्कि यह तो अभी शुरू हुई है। हालात बेहतर नहीं, बल्कि बदतर होने वाले हैं। यह 597 ईसा पूर्व है जब वह कैद में चला जाता है, और यह 593 ईसा पूर्व है जब उसे पहले अध्याय का यह दर्शन मिलता है।

यह 586 ईसा पूर्व से पहले की बात है जब यरूशलेम पर असली करारी चोट पड़ती है। इसलिए यहजेकेल को निर्वासन में लोगों को चेतावनी देनी होगी, और निश्चित रूप से उसका संदेश यहूदा और यरूशलेम तक भी पहुंचेगा। यहजेकेल को यहूदा को बताना होगा कि उन पर फिर से कब्ज़ा कर लिया जाएगा, और यरूशलेम को नष्ट कर दिया जाएगा और उनकी मातृभूमि पूरी तरह से तबाह हो जाएगी। वह उनसे कहता है कि उनमें से अधिकांश अंततः घर से सैकड़ों मील दूर, कैद में रहेंगे। अधिकांश लोगों की स्वाभाविक प्रतिक्रिया

ईजेकील को देशद्रोही, देशद्रोही या सहयोगी के रूप में देखना होगी।

3. मंदिर के विनाश का महत्व उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में एक और समस्या थी जिसका सामना ईजेकील को भी करना पड़ा और उस समय के लोगों को भी। जब बेबीलोनियों ने यरूशलेम पर कब्ज़ा कर लिया, और राजा को बंदी बना लिया, तो यह निष्कर्ष निकालना बहुत आसान था कि बेबीलोन के देवता इस्राएल के परमेश्वर से महान थे। उस समय आम धारणा यह थी कि युद्ध में विजयी देश का देवता अधिक शक्तिशाली देवता होता था। ईजेकील और बेबीलोन ले जाए गए इन दस हजार लोगों ने बेबीलोन में इन बेबीलोनियाई देवताओं के जुलूसों और इन बेबीलोनियाई मंदिरों में पूजा को देखा, जो बहुत विस्तृत थे। वे मर्दुक की महानता से प्रभावित हो सकते हैं, जो एक बेबीलोनियाई देवता है, या नबू, एक अन्य बेबीलोनियाई देवता है। एक ऐसा देवता जो अपने मुख्यालय, यरूशलेम और मंदिर की भी रक्षा नहीं कर सका, उसे एक ऐसा देवता माना जा सकता है जिसके पास बहुत अधिक शक्ति या महत्व नहीं है।

ईजेकील को इन निर्वासितों को बताना है कि यरूशलेम में मंदिर जल्द ही नष्ट हो जाएगा - यह उसके संदेश का हिस्सा है - और इज़राइल के भगवान के अस्तित्व का आश्वासन देने के लिए किसी भी दृश्य तरीके से बहुत कम बचा होगा। मुझे लगता है कि संभवतः पहले अध्याय का यही कारण है। अध्याय 1 में, यहजेकेल को इस्राएल के परमेश्वर की महिमा और शक्ति का यह दर्शन मिलता है। यह इज़राइल के भगवान की एक बहुत ही प्रभावशाली तस्वीर है। निश्चित रूप से इस दर्शन ने यहजेकेल को ईश्वर के अस्तित्व और शक्ति के प्रति सचेत कर दिया।

4. ईजेकील 1:4ff - प्रभु की महिमा की महानता आइए पहले अध्याय, श्लोक 4 और उसके बाद के कुछ हिस्सों पर नजर डालें, " मैंने देखा, और मैंने देखा कि उत्तर की ओर से एक बहुत बड़ा तूफ़ान आ रहा है चमकती बिजली के साथ बादल और तेज रोशनी से घिरा हुआ। आग का केंद्र चमकती धातु जैसा दिख रहा था, और आग में चार जीवित प्राणियों

जैसा दिख रहा था। दिखने में तो उनका रूप मनुष्य का सा था, परन्तु उनमें से प्रत्येक के चार मुख और चार पंख थे। उनके पैर सीधे थे; उनके पाँव बछड़े के पाँव के समान थे और चमकते हुए पीतल के समान चमक रहे थे। उनके पंखों के नीचे चारों तरफ एक आदमी के हाथ थे। उन चारों के चेहरे और पंख थे, और उनके पंख एक दूसरे को छूते थे। हर एक सीधे आगे बढ़ गया; वे चलते समय मुड़ते नहीं थे।”

श्लोक 15 से नीचे, “ जब मैंने जीवित प्राणियों को देखा, तो मैंने प्रत्येक प्राणी के पास जमीन पर एक पहिया देखा जिसके चार चेहरे थे। पहियों की शक्ल और संरचना ऐसी थी: वे क्रिसोलाइट की तरह चमकते थे, और चारों एक जैसे दिखते थे। प्रत्येक एक पहिये को काटते हुए पहिए की तरह बना हुआ प्रतीत होता है। जैसे-जैसे वे आगे बढ़ते थे, वे उन चार दिशाओं में से किसी एक में जाते थे जिनका प्राणियों को सामना करना पड़ता था; प्राणियों के चलते पहिये नहीं घूमते थे। उनके घेरे ऊँचे और अद्भुत थे, और चारों किनारों पर आँखें ही आँखें थीं। ”

वर्णन आगे अध्याय 1, श्लोक 22 और निम्नलिखित में दिया गया है: “ जीवित प्राणियों के सिरों के ऊपर एक विस्तार फैला हुआ था, जो बर्फ की तरह चमक रहा था, और भयानक था। विस्तार के नीचे उनके पंख एक दूसरे की ओर फैले हुए थे, और प्रत्येक के शरीर को ढँकने के लिए दो पंख थे। जब प्राणी चलते थे, तो मैं ने उनके पंखों की ध्वनि सुनी, जैसे तेज जल की गड़गड़ाहट, सर्वशक्तिमान की आवाज, सेना की कोलाहल जैसी। जब वे स्थिर खड़े रहे, तो उन्होंने अपने पंख नीचे कर लिये। तभी उनके सिरों के ऊपर से एक आवाज आई, जब वे पंख झुकाए खड़े थे। उनके सिरों के ऊपर जो आकाश था वह नीलमणि के सिंहासन के समान था, और उस सिंहासन के ऊपर एक मनुष्य के समान एक आकृति थी। मैंने देखा कि उसकी कमर से ऊपर तक वह चमकती हुई धातु की तरह दिखता था, मानो आग से भरा हुआ हो, और नीचे से वह आग की तरह दिखता था; और तेज रोशनी ने उसे घेर लिया।

फिर अध्याय एक के अंतिम श्लोक में आप देखते हैं, “ जैसे बरसात के दिन बादलों में इंद्रधनुष दिखाई देता है, वैसे ही उसके चारों ओर चमक थी। यह यहोवा की महिमा की समानता का प्रकटीकरण था। जब मैं ने उसे देखा, तो मुंह के बल गिर पड़ा, और मैं ने किसी

के बोलने की आवाज सुनी । और फिर आपको कॉल आती है , " उसने मुझसे कहा, 'मनुष्य के पुत्र, अपने पैरों पर खड़ा हो और मैं तुमसे बात करूंगा।'" और उसे अपने लोगों को भगवान का वचन देने के लिए नियुक्त किया गया है।

निश्चित रूप से उस पहले अध्याय में प्रभु की महिमा की महानता के उस दर्शन ने यहजेकेल पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला। उन्होंने पुस्तक में कई बार इस दृष्टिकोण का उल्लेख किया है। मैं सोचता हूँ कि वह जो देखता है वह इस्राएल के परमेश्वर की महिमा और वैभव है जो बेबीलोन के देवताओं की महिमा और वैभव से कहीं अधिक है। इसलिए इस्राएल को बंधुआई में ले जाया गया है, इसलिए नहीं कि बेबीलोन के देवता अधिक शक्तिशाली थे, बल्कि इसलिए कि प्रभु ने लोगों को उनके पापों के कारण दंडित करने के लिए दंडित करना चुना। तो ये है उनकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि. 5. ईजेकील

एल की पुस्तक की संरचना पुस्तक की संरचना पर चलते हैं, अभी भी "परिचयात्मक टिप्पणियाँ" के अंतर्गत। मुझे लगता है कि पुस्तक इन खंडों में विभाजित है: पहले 3 अध्यायों में आपके पास "यहेजेकेल का ईश्वर का दर्शन और पुकार" है। पहला अध्याय दर्शन है और फिर उसका आह्वान अध्याय 2 और 3 में है। अध्याय 4-24, "संदेश भविष्यवाणी करते हैं और यरूशलेम पर निर्णय लाने के लिए भगवान के इरादे को उचित ठहराते हैं।" यह यरूशलेम पर 586 ईसा पूर्व के फैसले के चरमोत्कर्ष की ओर ले जा रहा है। फिर अध्याय 25-32, "विदेशी राष्ट्रों के विरुद्ध भविष्यवाणियाँ।" मैं इसके बारे में बाद में कुछ टिप्पणियाँ करूँगा, जिस तरह से यह चीजों के कालक्रम में फिट बैठता है, लेकिन वह अध्याय 25-32 में यहूदा और यरूशलेम पर ध्यान केंद्रित करने से विदेशी राष्ट्रों के खिलाफ भविष्यवाणियों की ओर मुड़ जाता है। फिर अध्याय 33-48 है : "इज़राइल की भविष्य की बहाली के संबंध में भविष्यवाणियाँ।" तत्काल भविष्य और आसन्न फैसले की ओर देखने के बजाय , वह उस फैसले के साकार होने के बाद अधिक दूर के भविष्य की ओर मुड़ जाता है और भविष्य की बहाली की बात करता है। तो पुस्तक में ये 4 बुनियादी प्रकार की सामग्री हैं। तो यह सब ए के अंतर्गत है , "परिचयात्मक टिप्पणियाँ।"

बी. निर्णय और पुनर्स्थापना: ईजेकील 1-24 बी का सामान्य सर्वेक्षण "अध्याय 1-24 का सामान्य सर्वेक्षण" है। मैं 1-24 के साथ बहुत कुछ नहीं करने जा रहा हूँ। 1-24 वास्तव में दो खंडों में विभाजित है: 1-3 में उसका दर्शन और आह्वान और फिर 4-24 में यरूशलेम पर आने वाले फैसले के बारे में ये संदेश। मुझे लगता है कि आप सभी जानते हैं कि उन संदेशों में ईजेकील न केवल बोलता है, बल्कि वह कई मामलों में यरूशलेम पर आने वाले फैसले की निश्चितता के बारे में प्रतीकात्मक कार्रवाई भी करता है। मुझे लगता है कि दिलचस्प बात यह है कि यरूशलेम की वास्तविक घेराबंदी कब शुरू होती है। 24:1 और 2 को देखें। यह ठीक दूसरे खंड के अंत में है। " नौवें वर्ष के दसवें महीने के दसवें दिन को यहोवा का यह वचन मेरे पास पहुंचा, हे मनुष्य के सन्तान, इस तिथि को, इसी तिथि को लिख ले, क्योंकि आज ही के दिन बाबुल के राजा ने यरूशलेम को घेर लिया है। ." और यदि आप 2 राजा 25:1-2 में जाते हैं तो आप पढ़ते हैं, " सिदकिय्याह के शासन के नौवें वर्ष के दसवें महीने के दसवें दिन को, बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर ने अपनी पूरी सेना के साथ यरूशलेम पर चढ़ाई की। उसने नगर के बाहर डेरे डाले और उसके चारों ओर घेराबन्दी की। राजा सिदकिय्याह के ग्यारहवें वर्ष तक नगर को घेरे में रखा गया । लेकिन आप देखिए, जब यरूशलेम की वास्तविक घेराबंदी शुरू होती है, तो यहजेकेल अपना संदेश बदल देता है। वह उन लोगों की दुष्टता की निंदा करना जारी नहीं रखता है और कहता है, "मैंने तुमसे कहा था, तुम्हें वही मिल रहा है जिसके तुम हकदार हो," या ऐसी कोई चीज़। आप देखिए, यही वह समय है जब वह विदेशी राष्ट्रों के विरुद्ध भविष्यवाणियाँ करने लगता है। तो उस अवधि के दौरान जब यरूशलेम की घेराबंदी की जा रही थी और उसे नष्ट किया जा रहा था, ईजेकील का संदेश बदल गया। वह जो हमेशा से कहता रहा है वह अब पूरा होने जा रहा है, और अब वह किसी और चीज़ पर आगे बढ़ रहा है। यहजेकेल अध्याय 25-32 में विदेशी राष्ट्रों के विरुद्ध अपनी भविष्यवाणी निर्देशित करता है।

फिर जब दूत आकर बताता है कि नगर सचमुच गिर गया है, तो यहजेकेल 33:21 में आप पढ़ते हैं, " हमारी बंधुआई के बारहवें वर्ष के दसवें महीने के पांचवें दिन, एक मनुष्य जो

यरूशलेम से भाग निकला था, मेरे पास आया और कहा, 'नगर गिर गया!' वह यहजेकेल 33:21 है। एक बार फिर उसके संदेश बदल गए; अध्याय 33 से 48 अब भविष्य पर केंद्रित है। निर्णय आ गया है, और अब वह पुनर्स्थापना से संबंधित संदेश लाता है। तो पुस्तक की संरचना और संदेशों के फोकस के बीच एक निश्चित संबंध है, और जो कुछ हो रहा है उसका कालानुक्रम और जो हो रहा है उसका इतिहास यरूशलेम में क्या हो रहा है के संबंध में सहसंबद्ध है। मुझे लगता है कि इससे पुस्तक की संरचना को समझने में मदद मिलती है।

यहजेकेल 33:22 में आपके पास यह कथन है: " उस पुरुष के आने से पहिले सांझ को यहोवा का हाथ मुझ पर था, और भोर को उस पुरुष के मेरे पास आने से पहिले उस ने मेरा मुँह खोल दिया। अतः मेरा मुँह खुल गया और मैं अब चुप न रह सका ।" फिर भी 3:2 6 में पढ़ा गया, " मैं तेरी जीभ को तालू से चिपका दूंगा, कि तू चुप रहेगा, और चाहे वे बलवा करनेवाले घराने के हों, तौभी उनको डांट न सकेगा। " इसे कैसे लेना है यह जानना एक कठिन कथन है । मुझे लगता है कि यह संभव है कि वह तब बोलने में असमर्थ था जब भगवान उसके पास एक विशिष्ट संदेश लेकर आये थे। दूसरे शब्दों में, ऐसा प्रतीत होता है कि अध्याय 3 और 24 के बीच वे संदेश ही एकमात्र संदेश थे जो वितरित किए गए थे, लेकिन शायद वह यरूशलेम पर निर्णय पूरा होने तक अन्यथा बोलने में सक्षम नहीं थे। एनआईवी स्टडी बाइबल नोट में कहा गया है, "उनकी चुप्पी ने ईश्वर के वचन को गंभीरता से लेने से इज़राइल के जिद्दी इनकार को रेखांकित किया। यरूशलेम के पतन के बाद ही इस स्थिति से राहत मिली।" तो मुझे नहीं पता, लेकिन शायद यह समझने का यह एक उचित तरीका है।

कुछ लोग सोचते हैं कि उन्हें 490 दिनों तक हर दिन लगभग एक घंटे तक करवट लेकर लेटना पड़ा होगा। ऐसा नहीं कि वह पूरे दिन वहाँ था, बल्कि उतने ही दिनों की अवधि के लिए वहाँ था। दूसरों को लगता है कि उसने कुछ संकेत दिए होंगे कि शायद उसके पास कोई संकेत था: दिन 1, दिन 2, दिन 3, और वह कम समय में कई दिनों तक चला। मुझे नहीं पता। ऐसा लगता है कि यह सोचना असंभव नहीं है कि वह वास्तव में पूरे दिन लगातार 490

दिनों तक लेटा रहा, लेकिन किसी को आश्चर्य होता है कि शायद वह 490 दिनों तक हर दिन केवल कुछ समय के लिए ही लेटा हो।

यहाँ विदेशी राष्ट्रों के विरुद्ध भविष्यवाणियाँ हैं जिन्हें देने में इतना समय नहीं लगा होगा। " सो सिदकिय्याह के राज्य के नौवें वर्ष के दसवें महीने के दसवें दिन को, यह 2 राजा 25:1 है, " बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर ने अपनी सारी सेना समेत यरूशलेम पर चढ़ाई की। उसने नगर के बाहर डेरे डाले और उसके चारों ओर घेराबन्दी की। राजा सिदकिय्याह के ग्यारहवें वर्ष तक नगर को घेरे में रखा गया। चौथे महीने के नौवें दिन तक नगर में अकाल इतना भयंकर हो गया कि लोगों के पास खाने के लिये कुछ भी न रहा। " इत्यादि। इस प्रकार तुम सिदकिय्याह के नौवें वर्ष से ग्यारहवें वर्ष तक चलते हो, इस प्रकार दो वर्ष की घेराबंदी काफी लंबी थी।

सी. विदेशी राष्ट्रों के विरुद्ध निर्णय - ईजेकील 25-32 विशेष। टायर के विरुद्ध भविष्यवाणी

आइए यहजेकेल अध्याय 25-32 पर चलते हैं। मैं यहां कुछ अंश देखना चाहता हूं। यह "विदेशी राष्ट्रों के विरुद्ध निर्णय" के इस खंड में है। वहाँ कुछ दिलचस्प भविष्यवाणियाँ हैं। पहला जो मैं आपके साथ देखना चाहूंगा वह अध्याय 26 में है। मुझे लगता है कि हमें अध्याय पढ़ना चाहिए, कम से कम पहले 14 छंद।

यह यहजेकेल 26 है: " सोर के विरुद्ध एक भविष्यवाणी ।" ग्यारहवें वर्ष के पहिले दिन को यहोवा का यह वचन मेरे पास पहुंचा, हे मनुष्य के सन्तान, सोर ने यरूशलेम के विषय में कहा है, अहा! अन्यजातियों का फाटक टूट गया है, और उसके द्वार मेरे लिये खुल गए हैं; अब जब कि वह खण्डहर में पड़ी है, मैं सुफल करूंगा, इसलिये परमप्रधान यहोवा यों कहता है, हे सोर , मैं तेरे विरुद्ध हूँ , और समुद्र की लहरोंके समान बहुत सी जातियोंको तेरे विरुद्ध ले आऊंगा। वे सोर की शहरपनाह को ढा देंगे , और उसके गुम्मतों को ढा देंगे; मैं उसका मलबा कुरेदकर उसे नंगी चट्टान बना दूंगा। समुद्र में वह मछलियों के जाल फैलाने का स्थान बन जाएगी, क्योंकि मैं ने ऐसा कहा है, परमप्रधान यहोवा की यही वाणी है। वह राष्ट्रों के लिए लूट बन जाएगी, और मुख्य भूमि पर उसकी बस्तियाँ तलवार से नष्ट कर दी

जाएंगी। तब वे जान लेंगे कि मैं यहोवा हूँ। क्योंकि परमप्रधान यहोवा यों कहता है, मैं उत्तर दिशा से सोर के विरुद्ध राजाओं के राजा बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर को घोड़ों, रथों, सवारों और बड़ी सेना समेत ले आने पर हूँ। वह मुख्य भूमि पर तुम्हारी बस्तियों को तलवार से उजाड़ देगा; वह तुम्हारे विरुद्ध घेरा डालेगा, तुम्हारी शहरपनाह तक ढाल बनाएगा, और तुम्हारे विरुद्ध अपनी ढालें बढ़ाएगा। वह तेरी दीवारों पर अपने मारक मेढ़ों से वार करेगा और अपने हथियारों से तेरी मीनारों को ध्वस्त कर देगा। उसके घोड़े इतने होंगे कि वे तुम्हें धूल से ढँक देंगे। जब वह तुम्हारे फाटकों में प्रवेश करेगा, तो युद्ध के घोड़ों, गाड़ियों और रथों के शोर से तुम्हारी दीवारें कांप उठेंगी, जैसे मनुष्य किसी ऐसे नगर में प्रवेश करते हैं जिसकी दीवारें तोड़ दी गई हों। उसके घोड़ों की टापें तुम्हारी सब सड़कों को रौंद डालेंगी; वह तेरी प्रजा को तलवार से मार डालेगा, और तेरे दृढ़ खम्भे भूमि पर गिर पड़ेंगे। वे तुम्हारा धन लूट लेंगे, और तुम्हारा माल लूट लेंगे; वे तुम्हारी शहरपनाह को ढा देंगे, तुम्हारे सुन्दर घरों को ढा देंगे, और तुम्हारे पत्थर, लकड़ी और मलबा समुद्र में फेंक देंगे। मैं तुम्हारे शोरगुल वाले गीतों को बन्द कर दूंगा, और तुम्हारी वीणाओं का संगीत फिर कभी सुनाई न देगा। मैं तुम्हें नंगी चट्टान बनाऊंगा, और तुम मछलियों के जाल फैलाने का स्थान बन जाओगे। तुम फिर कभी न बनाए जाओगे, क्योंकि मुझ यहोवा ने यह कहा है, परम प्रधान यहोवा की यही वाणी है। ”

अब आप में से कुछ लोग इन भविष्यवाणियों से परिचित हो सकते हैं थका देना । वर्षों पहले मूडी साइंस फिल्म संगठन ने टायर की इस भविष्यवाणी पर एक फिल्म का निर्माण किया था और इसे इज़राइल के ईश्वर के अस्तित्व और सत्यता को दिखाने के लिए पवित्रशास्त्र में भविष्यवाणी/पूर्ति विषय के लिए एक क्षमाप्रार्थी तर्क के रूप में इस्तेमाल किया था जब वह चीजों के बारे में पहले से बोलता है। जिन्हें पूरा होने में काफी समय लग गया था। इसे अक्सर एक ऐसी भविष्यवाणी के उदाहरण के रूप में उद्धृत किया जाता है जो उल्लेखनीय तरीके से पूरी हुई थी।

हालाँकि, यह दिलचस्प है कि ऐसे लोग भी हैं जो इस भविष्यवाणी का उपयोग बिल्कुल विपरीत अर्थ में करते हैं, पुराने नियम की भविष्यवाणी की अविश्वसनीयता के एक

उदाहरण के रूप में, इस दावे के आधार पर कि ईजेकील जो कहता है कि यहाँ घटित होगा वह स्पष्ट रूप से झूठा है। ऐतिहासिक रूप से यह वैसा नहीं हुआ जैसा उन्होंने कहा था। यदि आप उस सामग्री को देखते हैं जो मैंने अभी आपको दी है, पृष्ठ 50, तो वहाँ गॉर्डन ऑक्सटोबी, *बाइबिल में भविष्यवाणी और पूर्ति*, पृष्ठ 79 और 80 की एक प्रविष्टि है। ध्यान दें कि वह क्या कहता है: "लेकिन नबूकदनेस्सर ने सोर को नहीं लिया, उसकी घेराबंदी विफल रही। यहजेकेल ने स्वयं महसूस किया कि यह मामला था और इसलिए बाद की तारीख में एक नई भविष्यवाणी की जिसमें उसने स्वीकार किया कि नबूकदनेस्सर ने सोर के खिलाफ अपनी सेना को कड़ी मेहनत कराई। हर एक का सिर गंजा कर दिया गया, हर एक का कंधा नंगा कर दिया गया। न तो उसे और न ही उसकी सेना को उस श्रम के भुगतान के लिए टाइप से कुछ मिला जो उसने इसके विरुद्ध किया था। "इसलिये परमेश्वर यहोवा यों कहता है, सुन, मैं मिस्र देश नबूकदनेस्सर को दे दूंगा। और वह अपना धन और लूट-पाट ले जाएगा और यह उसकी सेना की मजदूरी होगी।" यह यहजेकेल 29:18 और 19 है। फिर ऑक्सटोबी कहता है, "यह एक गंभीर ऐतिहासिक रिकॉर्ड का मामला है जिसे हम जोड़ सकते हैं टाइप की घेराबंदी 585 से 572 तक लगभग 13 वर्षों तक चली, लेकिन असफल रही। टायर का एक हिस्सा तट से आधा मील दूर एक द्वीप पर था जो अब रेत के ढेर से मुख्य भूमि से जुड़ गया है। टायरियन दुश्मन को रोकने में सक्षम थे और अंततः नबूकदनेस्सर के साथ समझौता कर लिया। लेकिन शहर को जीता या नष्ट नहीं किया गया, जैसा कि ईजेकील ने पहले भविष्यवाणी की थी, उसका कभी पुनर्निर्माण नहीं किया गया। तो फिर आप अनुच्छेद पर वापस जाएं और पूछें: क्या यह यही कहता है? क्या ऑक्सटोबी सही है? हम उसके बारे में क्या करें?

देखिए, ऑक्सटोबी का तर्क है कि ईजेकील ने यह भविष्यवाणी करने में गलती की थी कि नबूकदनेस्सर टायर को उसके अंतिम छोर तक ले जाएगा क्योंकि वह घेराबंदी सफल नहीं थी और उसने शहर को नष्ट नहीं किया था। अतः अंततः टायरियनों ने नबूकदनेस्सर के साथ समझौता कर लिया। लेकिन जैसा कि ईजेकील ने भविष्यवाणी की थी, शहर को जीत या नष्ट नहीं किया गया था। लेकिन फिर सवाल यह है: क्या यहजेकेल ने कहा था कि नबूकदनेस्सर

सोर को उसके अंतिम अंत तक

ले जाएगा ? यदि आप भविष्यवाणी को करीब से देखें, तो ध्यान देने योग्य कई बातें हैं। मुझे लगता है कि यह अध्याय 26, श्लोक 12 से 14 में सच है, जहां यह कहा गया है, “ वे तुम्हारा धन लूट लेंगे और तुम्हारा माल लूट लेंगे; वे तुम्हारी शहरपनाह को ढा देंगे, तुम्हारे सुन्दर घरों को ढा देंगे, और तुम्हारे पत्थर, लकड़ी और मलबा समुद्र में फेंक देंगे। मैं तुम्हारे शोरगुल वाले गीतों को बन्द कर दूंगा, और तुम्हारी वीणाओं का संगीत फिर कभी सुनाई न देगा। मैं तुम्हें नंगी चट्टान बनाऊंगा, और तुम मछलियों के जाल फैलाने का स्थान बन जाओगे। तुम फिर कभी न बनाए जाओगे, क्योंकि मुझ यहोवा ने यह कहा है, परम प्रधान यहोवा की यही वाणी है। पद 14, “ मैं तुम्हें नंगी चट्टान बनाऊंगा, और तू मछलियों के जाल फैलाने का स्थान बन जाएगा। आपका पुनर्निर्माण कभी नहीं किया जाएगा। ” नबूकदनेस्सर ने आयत 12 और 14 में दी गई बातों को पूरा नहीं किया। उसने माल नहीं लिया, यह आयत 12 है। उसने शहर के मलबे को पानी में नहीं बहाया, जैसा कि आयत 12 के उत्तरार्ध में है: “ वे करेंगे अपनी शहरपनाह तोड़ डालो, अपने सुन्दर मकानों को ढा दो, और अपने पत्थर, लकड़ी और मलबा समुद्र में फेंक दो। ” नबूकदनेस्सर ने ऐसा नहीं किया। श्लोक 14: उसने शहर को चट्टान की चोटी की तरह समतल नहीं किया, जिसका पुनर्निर्माण कभी नहीं किया जाएगा। लेकिन मुझे लगता है कि ऑक्सटोबी ने जो किया है, भले ही मुझे लगता है कि यह स्पष्ट है, पाठ को गलत तरीके से पढ़ना है। यदि आप पहले पद 3 पर वापस जाते हैं जहाँ इसका परिचय दिया गया है, तो ध्यान दें कि यह कहता है, “ प्रभु यहोवा यही कहता है: हे सोर, मैं तेरे विरुद्ध हूँ, और मैं बहुत सी जातियों को तेरे विरुद्ध ले आऊँगा, जैसे समुद्र अपनी लहरें उठा रहा है। ” और आयत 4 कहती है, “ वे सोर की शहरपनाह को नष्ट कर देंगे और उसकी मीनारों को गिरा देंगे। ” कई देश ऐसा करने जा रहे हैं। तो आप वास्तव में कह सकते हैं कि यदि नबूकदनेस्सर ने ऐसा किया होता, तो श्लोक 3 और 4 गलत होते, क्योंकि यह कई राष्ट्र नहीं होते - यह एक राष्ट्र होता।

लेकिन मुझे लगता है कि इस भविष्यवाणी में जो होता है वह यह है कि यहजेकेल, श्लोक 7 से शुरुआत करते हुए, सोर के खिलाफ हमलों के क्रम के हिस्से के रूप में नबूकदनेस्सर

की बात करता है और आप श्लोक 7 में ध्यान दें जहां वह कहता है, "मैं नबूकदनेस्सर को सोर पर लाऊंगा।" सर्वनाम "वे" बहुवचन से तीसरे पुल्लिंग एकवचन में बदल जाता है; इसलिए आयत 8 में कहा गया है, "वह तेरी बेटियों को मैदान में तलवार से मार डालेगा।" वह तेरे विरुद्ध किला बनाएगा, और घेरा डालेगा।" नबूकदनेस्सर ने सोर को घेर लिया। "वह तेरी दीवार के विरुद्ध युद्ध के इंजन स्थापित करेगा।" और पद 11, "वह तेरी प्रजा को तलवार से घात करेगा, तेरी बलवन्त सेनाएं भूमि पर गिर जाएंगी।" तो श्लोक 7 से 11 तक आपके पास तीसरा पुल्लिंग एकवचन है लेकिन श्लोक 12 में यह वापस बहुवचन में बदल जाता है। आप 12 में देखते हैं यह "वे" हैं। यह 12 में बहुवचन सर्वनाम है जैसा कि श्लोक 4 में था: "बहुत से राष्ट्र, वे शहरपनाह को नष्ट कर देंगे।" श्लोक 12 तो, "वे तुम्हारा धन लूट लेंगे और तुम्हारा माल लूट लेंगे।" इसलिए मुझे लगता है कि श्लोक 12 से 14 की भविष्यवाणियों में, जो चीजें नबूकदनेस्सर द्वारा पूरी नहीं की गई हैं, जो दृश्य में है वह सिर्फ नबूकदनेस्सर नहीं है, बल्कि कई राष्ट्र हैं। यहीं पर ऐतिहासिक रूप से यह देखना दिलचस्प है कि टायर के साथ क्या हुआ।

मैं कह रहा हूँ कि श्लोक 3 और 4 कई राष्ट्रों को "वे" के रूप में बोलते हैं और फिर श्लोक 7 से 11 विशेष रूप से नबूकदनेस्सर के बारे में बात करते हैं। लेकिन फिर श्लोक 12 के साथ यह "कई राष्ट्रों", "वे" पर वापस आता हुआ प्रतीत होता है।

जब आप 12 से 14 को देखते हैं, जहां आप "वे" और विशेष रूप से 12 के अंतिम भाग पर वापस आते हैं, "वे आपकी दीवारों को तोड़ देंगे और आपके अच्छे घरों को ध्वस्त कर देंगे और आपके पत्थर, लकड़ी और मलबे को समुद्र में फेंक देंगे", ऐतिहासिक रूप से यह स्पष्ट है कि यह 332 ईसा पूर्व में हुआ था जब सिकंदर महान ने सोर की घेराबंदी की थी। टायर एक मुख्य भूमि शहर और मुख्य भूमि से दूर एक द्वीप शहर से बना था। नबूकदनेस्सर ने मुख्य भूमि शहर की दीवारों को तोड़ दिया था और कई निवासियों को मार डाला था, लेकिन बहुत से लोग तट से दूर उस द्वीप शहर में भाग गए थे। चूंकि वह द्वीप शहर के बारे में कुछ भी करने में सक्षम नहीं था, इसलिए उन्होंने वहीं रहना जारी रखा। ताकि जब सिकंदर सोर के विरुद्ध आए, तो वह द्वीप शहर अभी भी एक संपन्न बंदरगाह था, जबकि

मुख्य भूमि का शहर ज्यादातर खंडहर में था। लेकिन द्वीप शहर एक संपन्न स्थान था।

तब आपके पास यह अजीब भविष्यवाणी है, "वे तुम्हारे पत्थर, तुम्हारी लकड़ी, तुम्हारी धूल पानी के बीच में डाल देंगे।" कोई ऐसा क्यों करेगा? अपने उद्धरणों के पृष्ठ 49 को देखें। मेरे पास जेम्स फ्री के *पुरातत्व और बाइबिल इतिहास से कई पैराग्राफ हैं*: "यहेजकेल ने भविष्यवाणी की थी कि, 'वे तुम्हारे पत्थर, तुम्हारी लकड़ी, तुम्हारी धूल पानी के बीच में डाल देंगे और सोर को चट्टान के शीर्ष की तरह बनाया जाएगा, यह केवल जाल फैलाने की जगह के रूप में उपयोगी है।' किसी शहर और स्थान के बेकार अवशेषों को पानी के बीच में ले जाना कितना आश्चर्यजनक है। निश्चित रूप से जनशक्ति को उससे भी अधिक उपयोगी कार्य में लगाया जा सकता है।

अलेक्जेंडर और टायर

हालाँकि, इसकी पूर्ति टायर के विरुद्ध सिकंदर के अभियान में हुई। जब सिकंदर पहली बार द्वीप शहर टायर के पास पहुंचा, तो आत्मसमर्पण करने की इच्छा थी, लेकिन जब उसने शहर में प्रवेश करने और मेलकार्ट के देवता के मंदिर में पूजा करने की अनुमति मांगी, तो उसे मना कर दिया गया। टायर के नागरिकों ने उनके अनुरोध को इस आधार पर स्वीकार करने से इनकार कर दिया कि वे मैसेडोनिया और फारस के बीच संघर्ष में तटस्थता बनाए रखना चाहते थे। सिकंदर ने शहर की घेराबंदी शुरू कर दी और उसे इस पर कब्जा करने से पहले 7 महीने तक कड़ी मेहनत करनी पड़ी। उन्होंने लेबनान के पहाड़ों से देवदारों को ढेर के रूप में और पुराने भूमि शहर के मलबे को तिल के लिए सामग्री के रूप में उपयोग करके एक भूमि पुल या मोल ई बनाने का निर्णय लिया। जैसे-जैसे पानी और गहरा होता गया, मजदूरों की मुश्किलें बढ़ती गईं। सोर के लोगों, जिनके पास एक अच्छी नौसेना थी, द्वारा भी उन्हें हर संभव तरीके से रोका गया। इस चुनौती का सामना करने के लिए, सिकंदर ने मोल का निर्माण अपनी सेना के इंजीनियरों पर छोड़ दिया, और सीरिया के तट पर अरबस और बायब्लोस के जहाजों को इकट्ठा करने के लिए उत्तर की ओर चला गया। वह अरबस और बाइब्लोस के राजाओं के पास गया, जिन्होंने अपने जहाज़ उसके अधिकार में

रख दिए। साइप्रस द्वीप से वह 120 जहाजों और सिडोन से लगभग 80 जहाजों को सुरक्षित करने में सक्षम था। लगभग 220 युद्ध जहाजों के बेड़े के साथ, अलेक्जेंडर टायरियन के बेड़े लेकिन छोटे बेड़े के मुकाबले कहीं अधिक था। 7 महीने के बाद छछूंदर को टायर द्वीप के शहर की दीवारों पर लाया गया। अगस्त 332 ईसा पूर्व में दीवार टूट गई थी और टायर के बेड़े का एक हिस्सा डूब गया था। शहर पर कब्जे के साथ, हजारों निवासियों को दास बाजार में बेच दिया गया, एरियस के अनुसार 13,000; डायोडोरस के अनुसार 30,000। पानी के बीच पत्थरों, लकड़ी और धूल को बिछाने के संबंध में ईजेकील की भविष्यवाणी विशेष रूप से तब पूरी हुई जब अलेक्जेंडर के इंजीनियरों ने तिल का निर्माण किया और टायर के प्राचीन भूमि शहर के अवशेषों का उपयोग किया, उन्हें पानी के बीच में रखा। ”

तो श्लोक 12 का अंत, आपको सिकंदर के समय में एक उल्लेखनीय पूर्ति मिलती है, हालाँकि श्लोक 13 और 14 वास्तव में उस बिंदु पर भी पूरी तरह से पूरा नहीं हुए थे क्योंकि आप पढ़ते हैं, " मैं तुम्हारे शोर वाले गीतों को समाप्त कर दूंगा, और तेरी वीणाओं का संगीत फिर कभी सुनाई न देगा। मैं तुम्हें नंगी चट्टान बनाऊंगा, और तुम मछलियों के जाल फैलाने का स्थान बन जाओगे। तुम फिर कभी न बनाए जाओगे, क्योंकि मुझ यहोवा ने यह कहा है, परम प्रधान यहोवा की यही वाणी है। उस विजय और द्वीप शहर पर कब्जा करने के बावजूद सिकंदर के समय में सौर शहर का अंत नहीं था। मुख्य भूमि का शहर उस समय के बाद भी जारी रहा और इसका एक तत्व बना रहा।

अलेक्जेंडर ने द्वीप शहर को काफी हद तक नष्ट कर दिया, लेकिन मुख्य भूमि शहर की जगह पर अभी भी लोगों के अवशेष रह रहे थे। सेल्यूसाइड्स के तहत यह पुनः प्राप्त हुआ और यह रोमनों के अधीन अस्तित्व में रहा, और यहां तक कि मुस्लिम नियंत्रण और क्रुसेडर के स्थान लेने के समय तक भी इसका अस्तित्व बना रहा। अंततः इसे 1292 में सार्केन्स द्वारा नष्ट कर दिया गया। वे प्रारंभिक मध्य युग में, 1292 के आसपास, अरब मुसलमान थे। यह उस आघात से कभी उबर नहीं पाया। और यह आज तक खाली पड़ा हुआ है।

पृष्ठ 48, पृष्ठ के नीचे देखें। दुर्भाग्यवश, यहाँ पहला वाक्य टाइप करने से छूट गया।

लेकिन यह एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका के टायर पर लेख से है। उस उद्धरण को इस तरह से शुरू करना चाहिए, “शहर क्रमिक रूप से 198 ईसा पूर्व सेल्युसाइड्स के प्रभाव में चला गया और रोमनों, 68 ईसा पूर्व यीशु ने टायर और सिडोन के क्षेत्र का दौरा किया। (मत्ती 15:21-28 और मरकुस 7:24-31)। पॉल ने साथी ईसाइयों के साथ सोर में एक सप्ताह बिताया, जबकि एक जहाज इफिसुस से यरूशलेम की यात्रा पर उसका माल उतार रहा था (प्रेरितों 21:3-7)। रोमन समय में, यह शहर रेशम और रेशमी कपड़ों के निर्माण के साथ-साथ जीनियस म्यूरेक्स के घोंघों से प्राप्त टायरियन पर्पल के निर्माण के लिए प्रसिद्ध था। दूसरी शताब्दी ईस्वी तक, टायर बिशप का समुद्र बन गया था। विद्वान ओरिजन को लगभग 254 में वहीं दफनाया गया था। कैसरिया के यूसेबियस ने 323 ईस्वी में ईश्वर की रचना पर एक उपदेश दिया था। 638 में शहर पर मुसलमानों ने कब्जा कर लिया था। इसे 1124 में क्रूसेडर्स ने ले लिया था। पवित्र रोमन सम्राट फ्रेडरिक आई बारब्रोसा 1190 में डूब गए और उन्हें क्रूसेडर कैथेड्रल में दफनाया गया। 1291 में मुसलमानों ने शहर पर दोबारा कब्जा कर लिया और उसे नष्ट कर दिया, और इसी के साथ टायर शहर का अंत हुआ, 1291।” तो आप देखिए, जहाँ तक यह जकेल की भविष्यवाणी की पूर्ति है, जो आयत 3 और 4 से शुरू होती है, “कई राष्ट्र तुम्हारे विरुद्ध आने वाले हैं। वे सोर को नष्ट कर देंगे।” श्लोक 13 और 14 अंततः, यह "वे" ही हैं जो वीणा की ध्वनि को बंद कर देंगे और इसे चट्टान की चोटी की तरह बना देंगे, जिसमें फिर कभी निवास नहीं किया जाएगा। तो आप देखते हैं कि पूर्ति नबूकदनेस्सर, अलेक्जेंडर, रोमनों और मुसलमानों और क्रूसेडर्स का एक लंबा उत्तराधिकार है जब तक कि यह अंततः नष्ट नहीं हो जाता। आज कोई आबादी वाली जगह नहीं है।

सीदोन का विनाश

अब, बस एक अंतिम नोट, फिर हम विराम लेंगे। सोर के विरुद्ध उस भविष्यवाणी के विपरीत, सीदोन के विरुद्ध भविष्यवाणी को देखें, जो सोर का सहोदर शहर है। वह अध्याय 28, श्लोक 21 और निम्नलिखित में है: “हे मनुष्य के सन्तान, अपना मुख सीदोन की ओर कर; उसके विरुद्ध भविष्यवाणी करके कह, प्रभु यहोवा यों कहता है, हे सीदोन, मैं तेरे

विरुद्ध हूँ, और तेरे भीतर महिमा प्राप्त करूँगा। जब मैं उसे दण्ड दूँगा, और उसके भीतर अपने आप को पवित्र दिखाऊँगा, तब वे जान लेंगे कि मैं यहोवा हूँ। मैं उस पर मरी फैलाऊँगा, और उसकी सड़कों में खून बहाऊँगा। उसके भीतर मारे गए लोग गिरेंगे, और हर तरफ तलवार उसके विरुद्ध होगी। तब वे जान लेंगे कि मैं यहोवा हूँ।" सीडोन सोर की बहन का शहर है। टायर के खिलाफ भविष्यवाणी में भविष्यवाणी की गई है कि शहर का विनाश हो जाएगा और फिर कभी इसका पुनर्निर्माण नहीं होगा, लेकिन सिडोन के मामले में, ईजेकील का कहना है कि इसकी सड़कों पर कब्ज़ा होने वाला है। वह सिडोन के एक शहर के रूप में नष्ट हो जाने, कभी भी पुनर्निर्माण न होने के बारे में कुछ नहीं कहता है। उनकी सड़कों पर खून होने वाला है।

दिलचस्प बात यह है कि आज, यदि आप फोनीशियन (या लेबनानी) तट पर जाएं, तो आप पाएंगे कि सिडोन अभी भी एक आबाद स्थल है। 50 हजार लोगों की आबादी के साथ सिडोन अस्तित्व में है। यह एक प्रमुख स्थान है। टायर खाली है, इसलिए फिर से, मुझे लगता है कि इसमें, आपके पास एक उल्लेखनीय भविष्यवाणी का उदाहरण है जो बाइबिल रहस्योद्घाटन के भगवान के अस्तित्व और सत्यता को दर्शाता है।

क्रिस्टा कॉनर्स
द्वारा प्रतिलेखित टेड हिल्लेब्रांट द्वारा रफ संपादित
डॉ. पेरी फिलिप्स द्वारा अंतिम संपादन
डॉ. पेरी फिलिप्स द्वारा पुनः सुनाया गया